प्रेस विज्ञप्ति

माननीय कुलपति प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट जी द्वारा चिकित्सा विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, रेजिडेण्ट डॉक्टरों, एवं छात्रों के लिए एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन आज दिनांक 26 अगस्त, 2017 को कलॉम सेण्टर में किया गया था। उपरोक्त अतिथि व्याख्यान पद्मश्री प्रो0 महेन्द्र भण्डारी पूर्व कुलपति किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय,लखनऊ वर्तमान में अतिथि आचार्य एवं वरिष्ठ जैव वैज्ञानिक, वट्टीकुटी यूरोलॉजी इस्टीट्यूट, डेट्रायट द्वारा दिया गया। प्रो0 महेन्द्र भण्डारी ने अपने सम्बोधन में मशहूर अर्थशास्त्री श्री एडम स्मिथ के प्रेरणा दायक प्रसंगो के माध्यम से नवोदीत छात्रों एवं चिकित्सकों को प्रेरित करने का प्रयास किया कि वह धन को अधिक महत्व न देते हुए गरीबो की आवश्यकताओं को अनुरूप उनके उपचार के नये–नये तरीके विकसित करे तथा इससे उन्हे जो आत्म संतुष्टि प्राप्त होगी वह अविस्मरणीय होगी। प्रो0 भण्डारी ने यह भी बताया किस प्रकार एक सर्जन प्रत्येक मरीज की आवश्यकता के अनुसार सर्जरी में परिवर्तन कर निपुणता को प्राप्त कर सकता है जब कि लगातार एक ही प्रकार की सर्जरी करते रहना निपुणता की संज्ञा मे नही आता।

प्रो0 भण्डारी ने एयरबस 369 का उदाहरण देते हुए यह बताया की किस प्रकार 100 से अधिक देशों से निर्मित उपकरणों के माध्यम से उक्त एयरबस का निर्माण किया गया है। यह आपसी सहयोग का एक बेहतर उदाहरण है। इससे प्रेरणा लेकर मेडिकल साईंस के विभिन्न विभाग संयुक्त प्रयास कर असम्भव को सम्भव बना सकते है। उन्होंने Emi Fischer Nobel का उदाहरण देते हुए उनके द्वारा उद्धृत उद्धरण का स्मरण किया जिसमें उन्होंने कहा था कि विज्ञान की प्रोन्नति किसी प्रतिभाशाली व्यक्ति की उपलब्धि से न होकर विज्ञान की प्रोन्नति साधारण लोगों के आपसी सहयोग से होती है।

इस अवसर पर चिकित्सा विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 एम0एल0बी0 भट्ट ने पद्मश्री प्रो0 महेन्द्र भण्डारी को एक स्मृति चिन्ह भेंट किया तथा उन्होने उनका धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि वह इस तरह आगे भी विश्वविद्यालय में संकाय सदस्यों एवं छात्रों का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

(प्रो0 नरसिंह वर्मा)
संकाय प्रभारी, मीडिया सेल
चिकित्सा संकाय, केजीएमयू

(प्रो0 विभा सिंह)
संकाय प्रभारी, मीडिया सेल
दंत संकाय, केजीएमयू